

अक्षुद्र वि. (तत्.) 1. जो क्षुद्र न हो, जो छोटा न हो
2. जो नीच न हो, जो तुच्छ न हो।

अक्षेम पुं. (तत्.) अमंगल, अशुभ, अकल्याण।

अक्षोट पुं. (तत्.) 1. अखरोट का फल और वृक्ष 2. पर्वतीय पीलू नामक वृक्ष।

अक्षोड़ पुं. (तत्.) दे. अक्षोट।

अक्षौहिणी स्त्री. (तत्.) अक्ष (स्थों) के समूहों (ऊह) से युक्त सेना। चतुरंगिणी सेना जिसमें 109350 पैदल सिपाही, 65610 घोड़े, 21870 रथ और 21870 हाथी होते थे।

अक्स पुं. (अर.) 1. प्रतिबिंब, छाया, परछाई, साया
2. तस्वीर, चित्र मुहा. अक्स उतारना- हूबहू नक्शा बनाना, फोटो खींचना; अक्स खींचना-किसी की तस्वीर खींचना; अक्स पड़ना- किसी पर साया आना, किसी चित्र, मानचित्र आदि पर बारीक कागज रखकर खाका उतारना।

अक्सर क्रि.वि. (अर.) बहुधा, प्रायः, अधिकतर, बहुत बार, अमूमन।

अक्सीर स्त्री. दे. अक्सीर।

अखंड वि. (तत्.) 1. जिसके खंड न हों, अटूट, अविच्छिन्न, संपूर्ण, समूचा। 2. जिसका क्रम या सिलसिला न टूटे, जो बीच में न रुके, लगातार, बेरोक-टोक।

अखंडता स्त्री. (तत्.) 1. अखंड होने का भाव। 2. पूर्णता, समग्रता, खंडित न होने की स्थिति।

अखंडत्व पुं. (तत्.) अखंडता।

अखंडन पुं. (तत्.) खंडन न करने का भाव, विरोध का अभाव, अविरोधिता।

अखंडनीय वि. (तत्.) 1. जिसके खंड न हो सके, जिसके टुकड़े न किए जा सकें 2. जिसे काटा न जा सके, अकाट्य, अविभेद्य, अविभाज्य 3. जिसका खंडन न किया जा सके।

अखंडपाठ पुं. (तत्.) वह पाठ जो बिना क्रम टूटे लगातार चले।

अखंड भारत वि. (तत्.) 1. ऐसा भारत जिसके प्रदेश, राज्य या प्रांत उसके अविभाजित अंग हों अर्थात् उनकी पृथक् सत्ता न हो 2. दे. बृहत्तर भारत।

अखंड सौभाग्य पुं. (तत्.) जीवनपर्यंत सधवा रहने की स्थिति।

अखंड-सौभाग्यवती वि. (तत्.) जीवनपर्यंत सुहागिन रहनेवाली।

अखंडित वि. (तत्.) 1. जिसके टुकड़े न हुए हों, विभाजनरहित, अविच्छिन्न 2. संपूर्ण, पूरा, समूचा, परिपूर्ण 3. बाधारहित, निर्विघ्न।

अखबार पुं. (अर.) (खबर का बहु) समाचारपत्र।

अखबार-नवीस पुं. (अर.+फा.) अखबार का लेखक, पत्रकार, समाचारपत्र का संपादक।

अखबारी वि. (अर.) अखबार से संबंधित, समाचारपत्र का, अखबार में प्रयुक्त (जैसे-भाषा)।

अखरना अ.क्रि. (तत्.) 1. बुरा लगना, खलना 2. दुखदायी होना, कष्टकर होना।

अखरावट पुं. (तत्.) 1. वर्णमाला, लिखने का ढंग, लिखावट 2. वह कविता जिसमें चरण या पद वर्णमाला के अक्षरों के क्रम से आरंभ हो 3. जायसी की एक सुप्रसिद्ध कृति।

अखरोट पुं. (तत्.) अफगानिस्तान और हिमालयी क्षेत्र में उत्पन्न एक वृक्ष और उसका फल। इसके फल का छिलका पकने पर बहुत कड़ा हो जाता है और उसके भीतर से गिरी निकलती है जिसे सूखे मेवे में गिना जाता है। इसका तेल भी बहुत गुणकारी होता है।

अखरौटी स्त्री. (तद्.) 1. अखरावट 2. वर्णमाला, बारहखंडी 3. लिखावट संगी. वीणा या सितार वाद्य पर निकाले गए रागों के अलग-अलग और स्पष्ट बोल।

अखर्व वि. (तत्.) जो छोटा अथवा ठिगना न हो; लंबा, बड़ा।